

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—<http://www.facebook.com/groups/aryayouth/>

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली-110007, आई. एफ. एस.कोड - SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868051444 पर एस.एम.एस कर दें या 9958889970 पर Paytm कर दें। — अनिल आर्य

वर्ष-38 अंक-7 भाद्रपद-2078 दयानन्दाब्द 198 1 सितम्बर से 15 सितम्बर 2021 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.09.2021, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoo.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल में भी 273वां वेबिनार सम्पन्न

योगीराज श्रीकृष्ण का 5223 वां जन्मोत्सव सोल्लास सम्पन्न

कुशल राजनेता, कूटनीतिज्ञ व शस्त्र-शास्त्र से परिपूर्ण थे श्री कृष्ण –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य
श्री कृष्ण ने जीवन पर्यन्त कोई बुरा कार्य नहीं किया –हरिओम शास्त्री

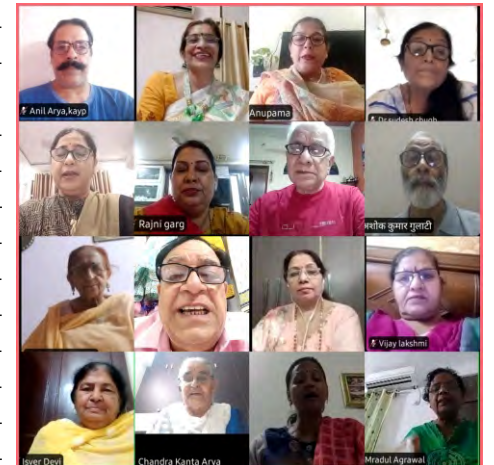
रविवार 29 अगस्त 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान योगीराज श्रीकृष्ण जी का 5223 वा जन्मोत्सव ऑनलाइन सोल्लास मनाया गया। यह कोरोना काल में 272 वा वेबिनार था। वैदिक विद्वान आचार्य हरिओम शास्त्री ने कहा कि आज से लगभग 5222 वर्ष पहले द्वापर युग की समाप्ति पर भारत वर्ष के मथुरा में महात्मा योगीराज श्रीकृष्ण जी का जन्म हुआ था। योगीराज श्रीकृष्ण जी ने वैदिक मर्यादाओं की रक्षा करने हेतु समस्त दुष्टों और अत्याचारी राजाओं का नाश किया, इस क्रम में उन्होंने अपने सगे मामा कंस का भी विनाश कर डाला। योगीराज भगवान श्रीकृष्ण जी ने 'आपत्काले मर्यादा नास्ति' के अपूर्व सिद्धांत का प्रतिपादन किया। उन्होंने वैदिक शास्त्रों के अनुसार 'श्रीमद्भगवद्गीता' जैसे महान आध्यात्मिक ज्ञान ग्रन्थ का उपदेश अत्यंत कठिन समय में युद्धक्षेत्र से पलायन करते हुए अर्जुन को देकर उसे धर्मयुद्ध हेतु प्रेरित किया अपने उपदेश का महत्व बताते हुए वे कहते हैं कि— 'सर्वोपनिषदो गावरु,दोग्धा गोपालनन्दनरु।' 'पार्थो वत्सो सुधीर्भोक्ता,' 'दुग्धं गीतामृतं महत्।' अर्थात्—सारी उपनिषदें गाये हैं और उनको दुहने वाला कृष्ण है। उत्तम और तीक्ष्ण बुद्धि वाला अर्जुन उस उपदेश का पान करने वाला बछड़ा है तथा उन उपनिषदों का ज्ञान ही गीता का अमृत दूध है, इसी उपदेश के द्वारा भगवान श्रीकृष्ण ने आत्मा, परमात्मा, मुक्ति, कर्तव्य—अकर्तव्य, बन्धन, जन्म, मृत्यु, ईश्वर की शरणागति आदि का विस्तृत विवेचन किया है। वे श्री राम जी की तरह पूर्वजों के द्वारा बनाए हुए पथ पर नहीं चलते बल्कि समय और परिस्थितियों के अनुसार स्वयं पथ का निर्माण करते हैं और उस पर चलते और चलने की प्रेरणा देते हैं। इसीलिए अन्त में वे कहते हैं कि हे अर्जुन! 'सर्वधर्मान् परित्यज्य ममेकं शरणं ब्रज।' 'अहं त्वां सर्वपापेभ्यो मोक्षिष्यामि मा शुचरु।' 'तुम सभी संशयों को छोड़कर मेरी बात मानो मैं तुम्हें सभी समस्याओं से छुड़ा दूंगा, तुम परेशान न हो। योगीराज श्रीकृष्ण जी के लिए देश और समाज पहले हैं व्यक्ति और सम्बन्ध बाद में हैं। आज के परिप्रेक्ष्य में भारत और भारतीयों के लिए श्री कृष्ण जी महाराज के उपदेश बहुत अधिक उपयोगी और लाभप्रद हैं। अतः उनका पालन करने में ही देश का कल्याण है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि श्री कृष्ण योगी थे, साथ ही शस्त्र व शास्त्र का पूर्ण ज्ञान था। वह कूटनीतिज्ञ व कुशल राजनेता भी थे। उन्होंने अपने बुद्धि कौशल से राजनीति की नई अवधारणा लिखी। आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानन्द सरस्वती ने श्री कृष्ण के गुणों का वर्णन किया है, वह कहते हैं कि श्री कृष्ण ने जीवन से मृत्यु पर्यन्त कोई बुरा कार्य नहीं किया। उन्होंने विवाह के बाद 12 वर्ष तक पत्नी रुक्मिणी के साथ ब्रह्मचर्य का पालन किया और एक संतान हुई जिसका नाम प्रधुम्न था। उनके साथ राधा का नाम जोड़ना घोर अन्याय है। आज श्री कृष्ण जी के सच्चे स्वरूप को जन जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है। मुख्य अतिथि देवेन्द्र सचदेवा व अध्यक्ष आचार्य अभय देव शास्त्री ने कहा कि उस महान योगी जैसा इतिहास में नहीं हुआ है। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने श्री कृष्ण जी को महान मित्र, योगी की संज्ञा दी।



नियमित योगाभ्यास व स्वास्थ्य पर गोष्ठी सम्पन्न

योग शरीर, आत्मा व स्वास्थ्य का गहरा संबंध है —योगाचार्या अनिता रेलन
योग जीवन जीने की कला सिखाता है —राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

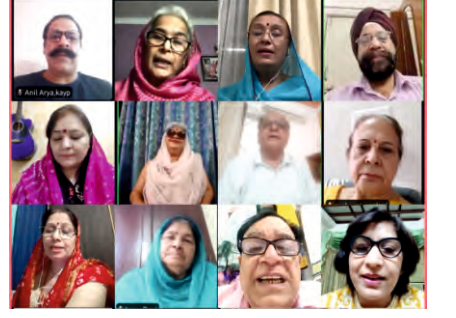
मंगलवार 31 अगस्त 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'नियमित योगाभ्यास व स्वास्थ्य' पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 273 वा वेबिनार था। योगाचार्या अनिता रेलन ने कहा कि योग, शरीर, आत्मा का स्वास्थ्य से गहरा संबंध है। परमात्मा को पाने का मार्ग भी योग ही है। अब कोरोना काल में सभी चिकित्सकों ने भी योग प्राणायाम के महत्व को स्वीकार किया है। व्यक्ति को 30 मिनट प्रतिदिन योगाभ्यास करना चाहिए। योग शरीर में निहित ऊर्जा के प्रवाह को व्यवस्थित करने तथा उसे ऊर्जस विथ और अधिक शक्तिशाली बनाए रखने की साधना है। व्यक्तिगत चेतन ता का सार्वभौमिक चेतन ता के साथ एकाकार होना है योग नियमित योग से शारीरिक मानसिक शक्ति का विकास होता है। स्वस्थ शब्द अपने में स्थित होने को ही उजागर करता है अपनी आंतरिक सुंदरता को उजागर करें, नियमित योग दवाइयों का विकल्प है। योग मानवीय संवेदना को समेटने की अद्भुत कला रखता है योग शरीर मस्तिष्क तथा आत्मा के मध्य संपर्क को नियमित करता है। उन्होंने हट योग को कुछ क्रियाओं के द्वारा भी समझाया पतंजलि योग के आठ सूत्रों जिसे अष्टांग योग के नाम से जाना जाता है जिसमें यम नियम आसन प्राणायाम प्रत्याहार धारणा ध्यान समाधि के बारे में बताते हुए बताया है जब चेतना अपने आप को इस मेटल से निर्मित शरीर की चिंता से पूर्णता आजाद कर दें पूर्ण तरह अपने आप को आजाद महसूस करें तब वह अपने वास्तविक स्वरूप जो आनंद से भरपूर है मिश्रित रहती है स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है हमारा शरीर उस कच्चे घड़े की तरह है ज्ञानामृत प्राप्त करने के लिए इस घड़े को योग अग्नि में तप कर परिपक्व बनाया जाता है तब शरीर प्राण म्मन की एकता को साध्य कर सकते हैं मन की एकता को साधने में भूमिका निभाता है योग बल ही सच्चा बल है, भगवान श्री कृष्ण अर्जुन को कहते हैं तप करने वाले तपस्वी से योगी उत्तम होता है वह ज्ञानी जनों से भी श्रेष्ठ होता है कर्मकांड से भी श्रेष्ठ होता है अतः अर्जुन तो योगी बन योग बिना ब्याज का कर्ज है जिसे चुकाना भी नहीं पड़ता आइए योग अपनाएं अपना जीवन सुंदर और सफल बनाएं। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि योग जीवन जीने की कला सिखाता है क्योंकि स्वस्थ व्यक्ति ही सभी सुखों का आनंद ले सकता है। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि योग जीवन का आधार है। वैदिक विदुषी चंद्र कांता आर्या(बंगलोर) ने भी योग के महत्व पर प्रकाश डाला और पुरातन ऋषि मुनियों का आभार व्यक्त किया।



जपुजी साहिब पर गोष्ठी सम्पन्न

जपुजी महान अवस्था प्राप्त करने का ज्ञान है—अस्तिन्दर कौर, गुरुनानक देव जी महान संत थे—हरभजन सिंह देयोल

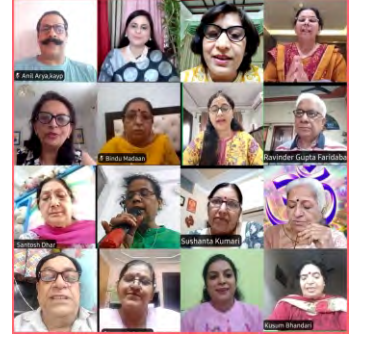
शुक्रवार 27 अगस्त 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में जपुजी साहिब पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कॅरोना काल में 270 वा वेबिनार था। मुख्य वक्ता अस्तिन्दर कौर ने कहा कि महान अवस्था प्राप्त करने का ज्ञान है जपुजी साहिब। श्री गुरुनानक देव जी महान संत हुए उन्होंने यह रचना लिखी है। उनका महान व्यक्तित्व इस रचना में झलकता है। इसमें 38 पौडीया व 2 शलोक है और मूलतंत्र में ईश्वर का सार है। जीव बालक रूप में संसार में विचरण कर रहा है। गुरु नानक देव जी के जीवन और शिक्षाओं पर प्रकाश डाला, वहीं उन्होंने जपुजी साहिब की भी व्याख्या की। साथ ही जपुजी साहिब की पक्तियों के अर्थ किये व शब्द का गायन किया। एडवोकेट डॉ.तरनजीत सिंह भसीन ने शब्द गायन किया और उसकी व्याख्या की। गायक प्रवीण आर्या,संगीता आर्या,सुदेश आर्या, ईश्वर देवी,नरेंद्र आर्य सुमन ने बहुत ही सुंदर ढंग से भजनों व शब्द गायन करके वातावरण को सुगंधमयी बना दिया। कार्यक्रम का बहुत ही सुंदर संचालन केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के अध्यक्ष अनिल आर्य ने किया।



पांच तत्त्वों को कैसे संतुलित बनाये गोष्ठी सम्पन्न

स्वस्थ जीवन के लिए पाँच तत्वों का संतुलन आवश्यक —टीना कपूर

बुधवार 25 अगस्त 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में पाँच तत्वों को कैसे संतुलित बनाये पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कॅरोना काल में 270 वा वेबिनार था। मुख्य वक्ता श्रोटेरियन टीना कपूर, जो एक माइंडफुलनेस तथा हॉलिस्टिक कोच हैं ने बहुत ही सरल विधि से अग्नि, वायु, पृथ्वी, जल,आकाश पांच तत्वों को संतुलित करना सिखाया। टीना जी ने शंभ्र ध्यान श्रौर श्मुद्रा ध्यान ९ के माध्यम से सबको अवगत कराया। उन्होंने कुछ योग की क्रियाएं, प्रार्थना, एक्सरसाइज, खाने के पदार्थ, और बीज ध्यान प्राणायाम भी बताए, जिनसे हम अपने शरीर के पांच तत्वों (जल, पृथ्वी, आकाश, अग्नि और आकाश) को एक्टिवेट, बैलेंस और हील कर सकते हैं, और अपने मन तथा मस्तिष्क की शक्ति को बढ़ा सकते हैं। उनके रोचक व ज्ञान वर्धक सत्र का सभी लोगों ने बहुत लाभ उठाया। उन्होंने कहा कि हम कोई भी पदार्थ ग्रहण करे तो परमात्मा का धन्यवाद कर ही सेवन करे इससे आनंद और लाभ बढ़ जाएगा। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि जिसने यह जगत रचाया है उसका सदैव धन्यवादी रहना चाहिए इससे प्रसन्नता का अनुभव, सुख व शांति मिलेगी। मुख्य अतिथि डॉ. रचना चावला ने कहा कि आध्यात्मिक व्यक्ति ईश्वर के प्रति समर्पण भाव से कार्य करता हुआ सुख प्राप्त करता है। आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश की प्रान्तीय मंत्री शशि चोपड़ा ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती ने सत्यार्थ प्रकाश में ईश्वर के गुणों की चर्चा की है उन्हें ही स्वीकार करना चाहिए। प्रमुख रूप से आचार्य महेन्द्र भाई, वीरेन्द्र आहूजा, संतोष धर, आस्था आर्या,कर्मल अनिल आहूजा,कर्मल विपिन खेड़ा,सुदेश भगत आदि उपस्थित थे। गायिका सुदेश आर्या,रजनी चुघ,प्रवीना ठक्कर, मर्दुल अग्रवाल, दीप्ति सपरा, सुशांता अरोड़ा, ईश्वर देवी,बिंदु मदान, रवीन्द्र गुप्ता, कुसुम भंडारी, विजय लक्ष्मी आर्या आदि ने मधुर भजन सुनाये। प्रमुख रूप से आचार्य महेन्द्र भाई, वीरेन्द्र आहूजा, संतोष धर, आस्था आर्या,कर्मल अनिल आहूजा,कर्मल विपिन खेड़ा,सुदेश भगत आदि उपस्थित थे।



माँ के दूध का महत्व पर गोष्ठी व राजगुरु को याद किया

माँ का दूध जीवन दायिनी अमृत है —प्रो.करुणा चांदना

शहीद राजगुरु का बलिदान अविस्मरणीय रहेगा —राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

सोमवार 23 अगस्त 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में माँ के दूध का महत्व पर गोष्ठी व अमर शहीद राजगुरु की 113 वी जयन्ती पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह कॅरोना काल में 269 वा वेबिनार था। प्रो. करुणा चांदना ने कहा कि माँ का दूध नवजात शिशु के लिए सर्वोत्तम आहार है, यह अमृत शिशु का नवजीवन प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि माँ के दूध में कोलेस्ट्रम का उत्पादन होता है जिसमें विभिन्न एंटी बॉडी मिनरल और सभी पौष्टिक तत्व होते हैं। इससे पानी की भरपूर मात्रा होती है। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। नवजात शिशु की पाचन क्षमता कमजोर होती है जिसे दूध बेहतर बनाता है। यदि बच्चा बीमार भी हो जाये तो माँ के दूध से शीघ्र स्वस्थ हो जाता है। दुग्धपान करवाने वाली महिलाएं भी स्वस्थ रहती हैं। वास्तव में माँ का दूध शिशु के लिए ईश्वरीय वरदान है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि शहीद राजगुरु ने राष्ट्र की बलवेदी पर अपना बलिदान दिया और शहीद भगत सिंह व सुखदेव के साथ 23 मार्च 1931 को फांसी के फंदे पर झूल गए। उनका जन्म 24 अगस्त 1908 को हुआ था। आज आवश्यकता है कि नयी पीढ़ी को इनके बलिदान के बारे में पढ़ाया जाए। आर्य नेत्री अनिता ग्रोवर व डॉ. संतोष कपूर ने मा के महत्व,तपस्या, समर्पण, बलिदान की चर्चा करते हुए नारी शक्ति को पूरा सम्मान देने का आह्वान किया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि आज नारी सम्मान प्रदान करने की अत्यंत आवश्यकता है। गायिका प्रवीण आर्या, दीप्ति सपरा, प्रवीना ठक्कर,रवीन्द्र गुप्ता,सुशांता अरोड़ा (अम्बाला),विजय लक्ष्मी आर्या,रजनी चुघ,सुषमा गुगलानी, बिंदु मदान, डॉ. रचना चावला,ईश्वर देवी,कृष्णा गांधी,चंद्र कांता आर्या आदि ने मधुर गीत सुनाये। प्रमुख रूप से महेन्द्र भाई, धर्म पाल आर्य,राजेश मेहंदीरत्ता, प्रेम सचदेवा, आस्था आर्या,सुषमा बजाज,वीना आर्या आदि उपस्थित थे।

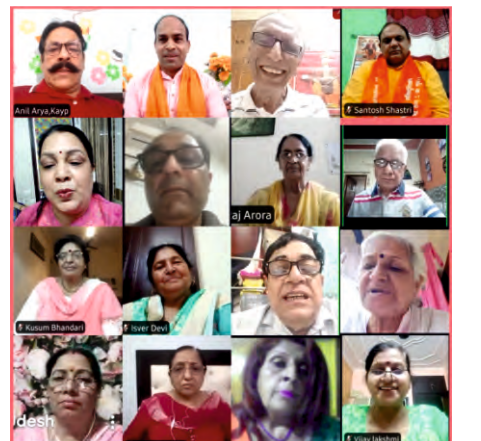


श्रावणी पर्व व रक्षा बंधन सोल्लास सम्पन्न

श्रावणी पर्व वैदिक संस्कृति के पठन पाठन का संदेश देता है —आचार्य गवेन्द्र शास्त्री

वैदिक संस्कृति व राष्ट्र रक्षा का संकल्प लें —राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

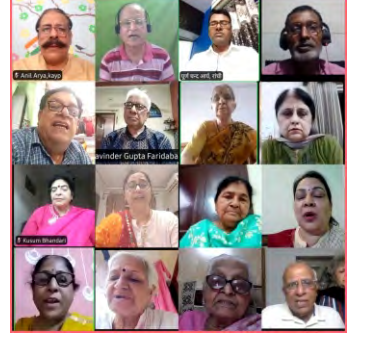
शनिवार 21 अगस्त 2021,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में श्रावणी पर्व व रक्षा बंधन का पर्व ऑनलाइन सोल्लास आयोजित किया गया।यह कोरोना काल में 268 वां वेबिनार था। वैदिक विद्वान आचार्य गवेन्द्र शास्त्री ने कहा कि यह पर्व हमें वेदों के पठन पाठन का संदेश देते हैं। पुरातन समय में वर्षा ऋतु में आवागमन रुक जाता था तो लोग वैदिक ग्रंथों का पठन पाठन करते थे।श्रावणी पर्व का दिव्य संदेश पूरे विश्व में जितने पर्व मनाए जाते हैं उससे अधिक पर्व भारत देश में मनाए जाते हैं पूरे विश्व में जितने ऋषि संतो ने जन्म लिया उससे अधिक भारत देश में ऋषि-मुनियों ने जन्म लिया भारत देश पर्वों का देश है पर्व हमें बोध कराते हैं वेद वचनों के श्रवण द्वारा ज्ञान प्राप्त करना चाहिए हम सभी जानते हैं कि वेद का एक नाम श्रुति भी है श्रुति का नाम श्रवण भी है वेद का श्रवण करने के कारण ही इस पर्व का नाम श्रावणी पर्व है श्रवण नक्षत्र से युक्त पूर्णिमा को यह पर्व होने के कारण श्रावणी पर्व कहलाता है सभी आश्रमवासियों के लिए स्वाध्याय अनिवार्य है प्राचीन काल से ही वैदिक धर्म में स्वाध्याय का स्थान सर्वोपरि माना गया है स्वाध्याय मनुष्य का सच्चा मित्र जीवन की प्रेरणा और आत्मा का भोजन है स्वाध्याय मनुष्य की उन्नति का साधन और परम शांति का दायक है स्वाध्याय मानव जीवन की समस्याओं के समाधान की कुंजी है श्रावणी पर्व को पढ़ने पढ़ाने का पर्व माना गया है ज्ञान विज्ञान बढ़ाने का पर्व माना गया है अच्छे संस्कार उत्पन्न करने का पर्व माना गया है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि वेदों के स्वाध्याय के साथ ही उसे जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता है।आज राष्ट्र विषम परिस्थितियों से निकल रहा है ऐसे समय में प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि राष्ट्र रक्षा का संकल्प लें। मुख्य अतिथि प्रेम सचदेवा व अध्यक्ष संतोष शास्त्री ने स्वाध्याय पर बल दिया कि आर्ष ग्रंथों के पढ़ने पढ़ाने से ज्ञान का प्रचार प्रसार करें। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि दैनिक एक वेद मंत्र के पढ़ने का हमें संकल्प लेना चाहिए।



वैदिक सिद्धांत सर्वोपरि पर गोष्ठी सम्पन्न

मनुष्य की आत्मा कर्म करने में स्वतंत्र है —आचार्य विजय भूषण आर्य

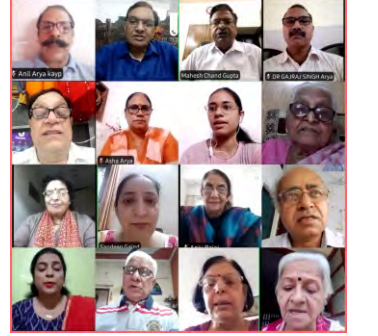
गुरुवार 19 अगस्त 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के 267 वें आर्य वेबिनार में वैदिक सिद्धांत सर्वोपरि भाग — 5 में आचार्य विजय भूषण आर्य ने उन सिद्धांतों को प्रस्तुत किया गया जिस पर अधिकांश लोग ध्यान नहीं देते। जो कुछ भी कहता है उसे स्वीकार कर लेते हैं और यह अज्ञान परम्परा के रूप में आगे चलने लगता है। उन्होंने कहा कि ईश्वर त्रिकालदर्शी है अथवा नहीं इस विषय को सत्यार्थ प्रकाश में महर्षि दयानन्द सरस्वती ने जो लिखा है उसका हवाला देते हुए कहा कि— ईश्वर को त्रिकालदर्शी कहना या मानना मूर्खता का काम है। ईश्वर भूतकाल भी जानता है कि हमने कौन से कर्म किये और ईश्वर यह भी जानता है कि वर्तमान में हम कौन से कर्म कर रहे हैं परन्तु ईश्वर यह नहीं जानता कि हम भविष्य में क्या करेंगे। यहां अनेक लोग शंका करने लगते हैं कि ईश्वर को ही नहीं पता, तो वह काहे का ईश्वर ? उसमें इतनी भी शक्ति नहीं है ? ये भोले लोग वैदिक सिद्धांत को नहीं जानते, तभी ऐसा कहते हैं। वैदिक सिद्धांत यह है कि हमारा आत्मा कर्म करने में स्वतंत्र है। ईश्वर की विशेषता यह है कि जैसे ही हमने सोचा, ईश्वर ने तुरन्त जान लिया। परन्तु दूसरा कोई नहीं जान सका। हम जो विचार करना शुरू करते हैं और उसे कार्यान्वित भी कर देते हैं तब भी अन्य मनुष्यों को उसका ज्ञान नहीं होता। अतः ईश्वर को ऐसा कहने का साहस करना अपने आप को बहुत बड़ा विद्वान् समझने की भूल करना है। ईश्वर कभी भी किसी प्रकार की इच्छा नहीं करता क्योंकि इच्छा होती है अप्राप्त पदार्थ की, जिसकी प्राप्ति से सुख विशेष होवे। अतः ईश्वर इच्छा नहीं करता। हां, ईक्षण अवश्य करता है जिसका अर्थ है जब सृष्टि की रचना का समय आता है तब वह सृष्टि को रचने का जो कार्य करता है, इसे ईक्षण कहते हैं। इसके अतिरिक्त आचार्य जी ने मुक्ति से जीवात्मा क्यों लौटता है, दाने दाने पर ईश्वर ने पहले से किसी का भी नाम नहीं लिख रखा है, भगवान् के घर देर है, अंधेर नहीं— यह बोलना भी ईश्वर पर दोष लगाने के समान है। क्योंकि देर करना गुण नहीं है, देर करना दोष कहलाता है। ईश्वर के बारे में यह कहना उसके घर देर है, अंधेर नहीं यह सिद्ध कर रहा है कि ईश्वर !आप गलती तो करते हो, पर सुधार कर लेते हो। ऐसा कहना अपने आप को ईश्वर से ज्यादा अपने आप को बुद्धि मान मानना है जो उचित नहीं है। ईश्वर कैसा है, कैसी है उसकी योग्यता ? यज्ञ में पूर्णाहुति से पूर्व ओ३म् पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात् पूर्णं मुदच्यते। पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते। यह मंत्र ईश्वर की पूर्णता को और उसकी शक्तियों का बखान कर रहा है और हम उसकी गलतियाँ निकालने का प्रयास कर रहे हैं ? ऐसा कभी नहीं करना चाहिए। आचार्य विजय भूषण आर्य जी ने इन वैदिक सिद्धांतों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। हम सभी वैदिक ज्ञान का प्रचार प्रसार करें न कि अवैदिक बातों का। हम सही अर्थों में आर्य बनें तभी हमारे जीवन का कल्याण संभव है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि वेद ज्ञान सृष्टि के प्रारंभ से व सर्वकालिक है, सार्वभौमिक है और मानवमात्र के लिए है। मुख्य अतिथि झारखंड राज्य आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री पूर्ण चंद आर्य व आर्य केन्द्रीय सभा फरीदाबाद के महामंत्री आचार्य रघुवीर शास्त्री ने कहा कि यज्ञ सर्वकल्याण की भावना से किया जाता है और इसका लाभ सबको बराबर बिना पक्षपात के सबको मिलता है अतः यज्ञीय भावना सर्वश्रेष्ठ है। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि वेद मार्ग पर चलकर ही विश्व में शांति हो सकती है।



जोड़ो के दर्द पर आर्य गोष्ठी सम्पन्न

हल्का व्यायाम, सैर, दूध पनीर का सेवन रहेगा लाभकारी —डॉ. रमाकान्त गुप्ता
नेताजी सुभाष का स्वतंत्रता संग्राम में अमूल्य योगदान —राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

मंगलवार 17 अगस्त 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में जोड़ो के दर्द पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 266 वा वेबिनार था। हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ.रमाकान्त गुप्ता (पूर्व विभागाध्यक्ष, हिंदू राव अस्पताल) ने कहा कि बदलती जीवन शैली के कारण कई प्रकार की समस्याएं सामने आ रही हैं, कोरोना के इफेक्ट भी सामने आ रहे हैं इसलिए सजक रहने की आवश्यकता है। हल्का व्यायाम और सैर प्रतिदिन आवश्यक है, धूप का आधा घंटा सेवन हड्डियों को मजबूत बनाता है। दूध-पनीर सेवन करने से कैल्शियम की कमी पूरी होती है। समय समय पर बीपी शूगर चेक करवाते रहना चाहिए। पानी भरपूर मात्रा में पीना चाहिये। यदि हम छोटी छोटी सावधानियां व उपाय करेंगे तो कई रोगों से बचाव हो सकता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस का स्वतंत्रता आंदोलन में अमूल्य व अतुलनीय योगदान रहा। उन्होंने आजाद हिंद फौज की स्थापना की। उनके स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को इतिहास सदैव याद रखेगा। उल्लेखनीय है कि 18 अगस्त 1945 को जहाज दुर्घटना में उनकी ताइवान में मृत्यु हो गई थी। मुख्य अतिथि आर्य नेता महेश गुप्ता व अध्यक्ष डॉ. गजराज सिंह आर्य ने कहा कि पुरानी आदतों को अपनाए कुछ मेहनत करे पसीना निकाले तो बीमारियों से बच सकते हैं।



मदनलाल दींगरा ने अपने रक्त से क्रांति की लौ को प्रज्वलित किया-राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

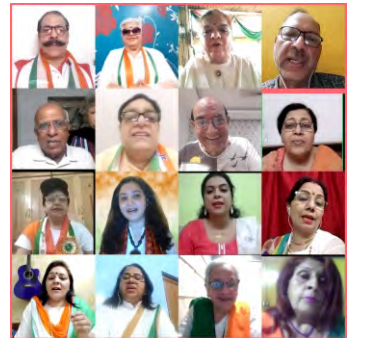
मंगलवार 17 अगस्त 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में महान क्रांतिकारी मदनलाल दींगरा के 112 वे बलिदान दिवस पर ऑनलाइन श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उल्लेखनीय है कि 1 जुलाई 1909 को इंडियन नेशनल एसोसिएशन के कार्यक्रम में लंदन में उन्होंने विलियम हट कर्जन वायली की गोली मारकर हत्या कर दी थी तथा 17 अगस्त 1909 को लंदन के पेंट विले जेल में मदनलाल दींगरा को फांसी दी गई। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि मदनलाल दींगरा जैसे हजारों नोजवानों ने अपने रक्त से भारत को स्वतंत्र करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राष्ट्र उनके बलिदान को सदियों तक याद रखेगा। उन्होंने बताया कि लंदन का इंडिया हाउस भारत के स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों का गढ़ था। श्यामजी कृष्ण वर्मा व वीर सावरकर से प्रेरणा लेकर नोजवान देश की आजादी के लिए तैयार होते थे। आज युवाओं को दींगरा के बलिदान से प्रेरणा लेकर देश की रक्षा का संकल्प लेना चाहिए। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि आजादी की लड़ाई में भाग लेने हेतु श्यामजी कृष्ण वर्मा ने महर्षि दयानंद से प्रेरणा ली तथा हजारों युवाओं को आजादी के आंदोलन से जोड़ा।



आर्य समाज ने अनेकों स्थानों पर मनाया स्वतंत्रता दिवस

युवा राष्ट्रीय एकता अखण्डता का संकल्प लें—राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार 15 अगस्त 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 75 वा स्वतंत्रता दिवस विभिन्न स्थानों पर यज्ञ, यज्ञोपवीत, झंडारोहण, गीत संगीत कार्यक्रम करके सोल्लास मनाया गया और आर्य जनों ने राष्ट्रीय एकता व अखंडता की रक्षा का संकल्प लिया। नंदग्राम में आयोजित कार्यक्रम में प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने यज्ञ करवाया और राष्ट्र की रक्षा के लिए आहुतियां चढ़ाई। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आज राष्ट्र विषम परिस्थितियों से गुजर रहा है, राष्ट्र विरोधी ताकतें सिर उठा रही हैं। ऐसे समय में युवाओं का दायित्व बढ़ जाता है अतः युवा राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि कश्मीर का लाल चौक आज तिरंगे झंडों से सजा हुआ राष्ट्र भक्ति में सरोबार दिखाई दे रहा है यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का करिश्मा है जो आजादी से आज तक नहीं हो पाया वह उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति का ही परिणाम है। अलगाववादी व आंतकवादी घटनाओं को और अधिक मजबूती से कुचलना होगा। हमें भारतीय सेना पर गर्व है जो देश की रक्षा निर्भीकता पूर्वक कर रही है। सुरेश प्रसाद गुप्ता, नरेश प्रसाद आर्य, सौरभ गुप्ता ने भी अपने विचार रखे। वृंदावन गार्डन, साहिबाबाद में सुरेश आर्य ने यज्ञ करवाया व के के यादव, प्रमोद चौधरी मुख्य यजमान बने। जरा याद करो कुर्बानी ऑनलाइन गीत संगीत का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें संगीता आर्या, नरेंद्र आर्य सुमन, प्रवीण आर्या, दीप्ति सपरा, नताशा कुमार, पुष्पा चुघ, प्रेम हंस, मधु खेड़ा, वीना वोहरा सुदेश आर्या, सुरेन्द्र तलवार, कमलेश भाटिया, निर्मल विरमानी, प्रवीणा ठक्कर आदि ने देशभक्ति गीत सुनाये। आर्य नेता सुनील गुप्ता, राजेश मेहंदीरता, रीता जयहिंद ने अपने विचार रखे। आर्य समाज सूर्य निकेतन, सुल्तानपुरी, वजीरपुर जे जे कॉलोनी, नरेला, कबीर बस्ती, संदेश विहार, मोहन गार्डन, किशन गंज, सुभद्रा कॉलोनी नौरोजी नगर में यज्ञ करके यज्ञोपवीत धारण किये गए।



केन्द्रीय आर्य युवक परिषद द्वारा 40 युवा संस्कार व 16 वेबिनार सम्पन्न

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद का श्रावणी पर्व के उपलक्ष्य में वार्षिक युवा संस्कार अभियान 40 स्थानों पर सोल्लास सम्पन्न हुआ। दिल्ली के सूर्य निकेतन, दुर्गापुरी, शाहदरा, नरेला, जहाँगीरपुरी, मुखर्जी नगर, कबीर बस्ती, वजीरपुर, मोती बाग, उत्तम नगर, महावीर नगर, सुल्तानपुरी, सुभद्रा कॉलोनी, संगम विहार, नौरोजी नगर, संदेश विहार, मोहन गार्डन, किशन गंज व नंद ग्राम, वृंदावन गार्डन, इंदिरापुरम, हापुड, डलहौजी, जम्मू, इंदौर, सोनीपत, हजारीबाग, जयपुर आदि में सम्पन्न हुए। सभी उत्साही कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं, जिन्होंने कोरोना के बावजूद अपनी परंपरा को बनाये रखा। इसके साथ ही 16 ऑनलाइन वेबिनार हुए यानी अगस्त में कुल 56 कार्यक्रम यही है आर्य युवक परिषद। प्रवीण आर्य (गाजियाबाद) के सुपुत्र पंकज व कोमल के विवाह पर हार्दिक बधाई।

